web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, गुरुवार 22 अगस्त 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-06, अंक- 325

भारत के कई शहरों में भारत बंद का अच्छा खासा असर

नई दिल्ली । आरएनएस

एससी, एसटी आरक्षण में उच्चतम न्यायालय द्वारा क्रीमी लेयर और उपवर्गीकरण करने के फैसले के विरोध में अनुसूचित जाति और जनजाति मोर्चा व भीम आर्मी द्वारा बुलाए गए भारत बंद का पूरे देश में मिला-जुला असर देखने को मिल रहा है। इस बंद का समर्थन विभिन्न राजनीतिक दलों ने भी किया है, जिससे इसका प्रभाव कई शहरों में स्पष्ट रूप से देखा जा रहा है।

बिहार के जहानाबाद में इसका असर सुबह से ही दिखाई देने लगा। यहां के प्रमुख मार्गों, विशेषकर पटना-गया राष्ट्रीय मार्ग के ऊंटा मोड़ के पास बड़ी संख्या में बंद समर्थकों ने सडक़ को जाम कर दिया। इस जाम की वजह से वाहनों की लंबी कतारें लग गई हैं, जिससे आने-जाने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। भारत बंद समर्थकों ने सरकार से मांग की है कि उच्चतम न्यायालय के फैसले को एक अध्यादेश के माध्यम से रद्द किया जाए।

छत्तीसगढ़ के कवर्धा में भारत बंद का असर अपेक्षाकृत कम देखा गया। चेंबर ऑफ कॉमर्स ने भारत बंद का समर्थन नहीं किया है, जिसमें छोटे व्यापारी और अन्य व्यावसायिक संगठन शामिल हैं। चेंबर ने बताया कि व्यापारिक संगठनों की बिना पूर्व सूचना के समर्थन न देने की परंपरा है, जिसके कारण कवर्धा में भारत बंद का प्रभाव सीमित रहा।

रायपुर में बंद की वजह से कई स्कूलों में छुट्टियां दे दी गई हैं।

इसके अलावा झारखंड के चाईबासा में भारत बंद का व्यापक असर देखने को मिला है। झारखंड मुक्ति मोर्चा के समर्थन के साथ अनुसूचित जाति और जनजाति संगठनों ने बाजारों को बंद करा दिया और वाहनों का परिचालन ठप कर दिया। चाईबासा शहर के तांबो चौक पर सडक़ को अवरुद्ध कर दिया गया है, और झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता ने कहा कि आरक्षण में वर्गीकरण की कोशिशों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पटना में बंद समर्थकों ने महेंद्रु अंबेडकर हॉस्टल के पास सडक़ को जाम कर दिया और आगजनी की। पुलिस प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट मोड पर है और शांति व्यवस्था बनाए रखने की कोशिश कर रहा है।

अलवर में भी भारत बंद का असर देखा गया है। बाजारों में दुकानें बंद हैं और सडक़ें सुनसान नजर आ रही हैं। जिला कलक्टर ने कानून और शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की है, जबकि पुलिस प्रशासन लगातार राउंड पर है। हालांकि, जिले में शांति का माहौल बना हुआ है।

दरभंगा में भीम आर्मी और अन्य दलित संगठनों ने बिहार संपर्क क्रांति ट्रेन का चक्का जाम कर केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन

किया। प्रदर्शनकारियों ने उच्चतम न्यायालय के फैसले की आलोचना करते हुए इसे अनुसूचित जाति और जनजाति समाज के खिलाफ एक बड़ी साजिश करार दिया और सरकार से मांग की है कि इस फैसले को वापस लिया जाए।

उत्तर प्रदेश के हरदोई में भारत बंद का असर नहीं दिखा। रोजाना की तरह दुकानें खुली रहीं। भारत बंद को लेकर पुलिस हाई अलर्ट पर है। शहर के हर चौराहे पर पुलिस फोर्स तैनात है। अमरोहा में बंद समर्थकों ने हाथों में नीला झंडा और तिरंगा लेकर जोरदार प्रदर्शन किया।

बता दें, उच्चतम न्यायालय में काफी लंबे समय से सरकारी नौकरियों में आरक्षण देने के लिए एससी, एसटी वर्ग को सब कैटेगरी में रिजर्वेशन दिए जाने की मांग का मामला लंबित था। उच्चतम न्यायालय ने इस मामले में एक अगस्त को बड़ा फैसला सुनाते हुए अपने ही 2004 के पुराने फैसले को पलट दिया। इसके बाद न्यायालय ने पंजाब अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग अधिनियम, 2006 और तमिलनाडु अरुंथथियार अधिनियम पर अपनी मुहर लगाकर कोटा के अंदर सब कैटेगरी को मंजूरी दे दी।

भारत बंद के दौरान पटना में लाठीचार्ज, एसडीएम को भी पड़े डंडे

पटना । आरएनएस

उच्चतम न्यायालय के अनुसूचित जाति (एससी) के आरक्षण में क्रीमीलेयर लागू करने के निर्णय के विरोध में दलित संगठनों की ओर से आज आहूत एकदिवसीय भारत बंद के दौरान बिहार की राजधानी पटना में पुलिस को लाठीचार्ज करनी पड़ी वहीं प्रदर्शनकारियों ने आरा, दरभंगा और मधुबनी में ट्रेन को रोककर प्रदर्शन किया।

पटना में बुधवार को प्रदर्शनकारी महेंद्रू से डाकबंगला चौराहा पहुंचे, जहां पुलिस ने उन्हें आगे जाने से रोकने के लिए बैरिकेडिंग की थी। लेकिन प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग तोड़ दी। इसके बाद पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए वाटर कैनन का प्रयोग किया। लेकिन, प्रदर्शनकारियों के नहीं मानने के बाद पुलिस को लाठीचार्ज करनी पड़ी।

यहां पटना सदर के एसडीएम श्रीकांत कुंडलीक खांडेकर को उनके ही सिपाही ने लाठी भांज दी। यह नजारा कवरेज कर रहे पत्रकारों के कैमरे में कैद हो गया। हालांकि सिपाही की इस गलती को दूसरे सिपाहियों ने देख लिया और उसे और लाठी मारने से रोका गया।

समस्तीपुर से यहां प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार, बंद समर्थकों ने समस्तीपुर रेल मंडल के दरभंगा एवं मधुबनी समेत विभिन्न स्थानों पर रेल ट्रैक को जाम कर ट्रेनों का परिचालन बाधित किया। इधर आरक्षण बचाव संयुक्त संघर्ष मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने समस्तीपुर शहर के जिला समाहरणालय के पास मुख्य मार्ग को जाम किया, जिसके कारण समस्तीपुर-दरभंगा और समस्तीपुर-पटना मुख्य मार्ग पर घंटों यातायात बाधित रहा।

समस्तीपुर जिला परिषद् के पूर्व सदस्य एवं वरिष्ठ दलित नेता संजय राम के नेतृत्व में जिले के पटोरी के चंदन चौक पर भी मुख्य मार्ग को जाम कर प्रदर्शन किया गया। श्री राम ने कहा कि देश में दलितों को आपस में लड़ाकर आरक्षण छीनने की साज़िश चल रही है, जिसे कतई बर्दाश्त नही किया जायेगा। आरा में प्रदर्शनकारियों ने गाड़ी संख्या 01663 रानी कमलापति-सहरसा एक्सप्रेस को रोक दिया। प्रदर्शनकारी रेलवे ट्रैक पर बैठकर प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं, औरंगाबाद में बाजार बंद कराने के लिए प्रदर्शनकारियों ने दुकानदारों के साथ मार पीट की।

महत्वपूर्ण एवं खास

लेबनान में इजरायली हवाई हमलों में तीन की मौत, छह घायल

बेरुत । दक्षिणी लेबनान में इजरायल के हवाई हमलों में हिज़्बुल्लाह के तीन सदस्यों की मौत हो गई और छह लोग घायल हो गए। घायलों में तीन डॉक्टर भी शामिल हैं। एक इजरायली युद्धक विमान ने मंगलवार रात लेबनान के दक्षिण-पश्चिमी शहर ताइर के अल-धहिरा गांव पर हवाई हमला किया, जिसमें हिज़्बुल्लाह के तीन सदस्य मारे गए। इस हमले में दो घर नष्ट हो गए जबकि 10 अन्य मकानों को भी थोड़ा बहुत नुकसान पहुंचा है। सूत्रों ने बताया कि इस हमले के दौरान एक मिसाइल अस्पताल की एक एंबुलेंस के पास जा कर गिरी। एंबुलेंस हामूल क्षेत्र में एक ड्रोन हमले में घायलों को ताइर अस्पताल ले जा रही थी। एंबुलेंस में सवार तीन डॉक्टर घायल हो गए। इसके अलावा, वाडी हामूल क्षेत्र में इजरायली ड्रोन द्वारा दागे गए दो रॉकेटों के संपर्क में आने से दो अन्य लोग घायल हो गए। साथ ही इजरायली आर्टिलरी द्वारा दक्षिण-पूर्वी लेबनान के खियम गांव पर दागे गए गोले से एक सीरियाई नागरिक को गंभीर चोटें आई हैं। लेबनानी सेना ने दक्षिणी लेबनान से उत्तरी इजरायल की ओर कई ड्रोन और लगभग 40 मिसाइलों के दागे जाने की पुष्टि की है। इस बीच, हिज़्बुल्लाह ने एक बयान में कहा कि उनके लड़ाकों ने कत्युशा रॉकेटों की बौछारों से अल-शोमीरा बैरक और पास के इजरायली सैनिकों पर हमला किया। बता दें, लेबनान-इजरायल सीमा पर तनाव 8 अक्टूबर 2023 को तब और बढ़ गया, जब हिज़्बुल्लाह ने इजराइल पर रॉकेटों की बौछार की थी। यह हमला हमास के इजरायल पर हमले के समर्थन में किया गया था। इसके जवाब में इजराइल ने दक्षिण-पूर्वी लेबनान की ओर भारी बमबारी की थी।

दर्दनाक हादसा: शिया तीर्थयात्रियों की बस ईरान में दुर्घटनाग्रस्त, 35 लोगों की मौत- 23 की हालत गंभीर

तेहरान । पाकिस्तान से इराक जा रहे शिया तीर्थयात्रियों की एक बस दुर्घटनाग्रस्त होने से बड़ा हादसा हो गया है। दरअसल, शिया तीर्थयात्रियों से भरी बस सेंट्रल ईरान में दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें 35 लोगों की मौत हो गई है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। एजेंसी के मुताबिक, स्थानीय आपातकालीन अधिकारी मोहम्मद अली मालेकज़ादेह ने बताया कि यह दुर्घटना बीती रात को ईरान के यज़्द प्रांत में हुई। अली मालेकज़ादेह ने बताया कि इस दुर्घटना में 23 अन्य लोग भी घायल हुए हैं, जिनमें से 14 की हालत गंभीर है। सभी तीर्थयात्री अरबईन की याद में इराक जा रहे थे, जो 7वीं शताब्दी में एक शिया संत की मृत्यु के 40वें दिन मनाया जाता है।

कानपुर हाईवे पर भीषण सड़क हादसे में 4 की मौत, दो घायल

इटावा । आरएनएस

कानपुर हाईवे पर बुधवार की सुबह भीषण सडक़ हादसा हुआ। इटावा के इकदिल थाना क्षेत्र के अंतर्गत हुए इस हादसे में एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में एक महिला और तीन पुरुष शामिल हैं। वहीं, दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है। घायलों में एक बच्चा भी शामिल है।

इटावा के इकदिल में हुए इस हादसे के पीछे कहा जा रहा है कि कार चालक को झपकी लग गई थी। जिसके चलते वह कार पर संतुलन संभाल नहीं सका।

बुधवार सुबह 6.30 बजे हुई इस घटना की सूचना मिलने पर इकदिल पुलिस मौके पर पहुंची। वहीं, दमकल विभाग को भी घटना की सूचना दी गई। घंटों की मशक्कत के बाद दमकल विभाग के कर्मियों और पुलिस कर्मियों ने कार में फंसे शवों को बाहर निकाला।

पोस्टमार्टम के लिए चार शवों को जिला अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, अभी शवों की पहचान नहीं हो सकी है।

बताया जा रहा है कि दिल्ली से एक परिवार कार में सवार होकर हमीरपुर के लिए निकला था। यहां कार ने सडक़ पर खड़े एक ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। अन्य दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

इटावा के जिला अस्पताल आपातकालीन विभाग के डॉक्टर के अनुसार, चार पहिया वाहन और ट्रक के बीच टक्कर हो गई। हादसे में एक बच्चा और एक महिला गंभीर रूप से घायल है। 4 शव भी अस्पताल लाए गए हैं। 2 घायलों को सैफई रेफर कर दिया गया है।

आंध्र प्रदेश में फार्मा यूनिट में विस्फोट; सात लोगों की मौत, 50 घायल

विशाखापत्तनम । आरएनएस

आंध्र प्रदेश के अनकापल्ली जिले में बुधवार को एक फार्मा यूनिट में रिएक्टर विस्फोट में सात मजदूरों की मौत हो गई और 50 अन्य घायल हो गए। अचुतापुरम विशेष आर्थिक क्षेत्र (सेज) में दवा कंपनी एसिएंटिया में लंच ब्रेक के दौरान यह विस्फोट हुआ।

अधिकारियों ने बताया कि लंच ब्रेक के दौरान कंपनी परिसर में विस्फोट के बाद भीषण आग लग गई। कर्मचारियों में अफरा-तफरी मच गई और वे जान बचाने के लिए बाहर भागे। आग बुझाने के लिए कई दमकल गाडिय़ां मौके पर पहुंचीं। एनडीआरएफ, दमकल कर्मियों और पुलिस ने इमारत की तीसरी मंजिल पर फंसे कर्मचारियों को बचाया। घायलों को अनकापल्ली के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि मृतकों की संख्या अभी बढ़ सकती है, क्योंकि घायलों में से कुछ की हालत गंभीर है। विस्फोट के समय कंपनी में लगभग 300 कर्मचारी मौजूद थे। विस्फोट इतना जोरदार था कि इमारत की पहली मंजिल का स्लैब ढह गया। पूरे इलाके धुआं छा गया, जिससे बचाव अभियान में बाधा आ रही है। विस्फोट से आसपास के गांवों में भी लोगों में अफरा-तफरी मच गई। हादसे के बाद कर्मचारियों ने कंपनी के बाहर एकत्र होकर पीडि़तों के लिए मुआवजे और लापरवाही के लिए अधिकारियों को सजा देने की मांग की। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने विस्फोट पर दुख जताया है। उन्होंने अनकापल्ली के जिला कलेक्टर से बात कर स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को घायलों के लिए अच्छे से अच्छा उपचार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

पूर्व मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी ने भी अचुतापुरम सेज में रिएक्टर विस्फोट पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने इस घटना में जान गंवाने वालों के परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की।

वाईएसआर कांग्रेस पार्टी प्रमुख ने सरकार से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया है कि घायलों को अस्पतालों में सर्वोत्तम संभव चिकित्सा उपचार मिले। उन्होंने अधिकारियों से भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए तत्काल कदम उठाने का भी आह्वान किया। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार मृतकों के परिवारों को पर्याप्त सहायता प्रदान करे।

40 से अधिक गिरफ्तार-300 एफआईआर, बदलापुर में प्रदर्शनकारियों पर एक्शन; बच्चियों से यौन शोषण का किया था विरोध

ठाणे । आरएनएस

बदलापुर में दो नाबालिग लड़कियों के कथित यौन उत्पीडऩ को लेकर बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन जारी है। इस घटना के बाद पुलिस ने अब तक 40 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया है और 300 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। गिरफ्तार किए गए लोगों को आज अदालत में पेश किया जाएगा। मंगलवार को उग्र आंदोलन देखने के मिला था। इसके अलावा, बदलापुर में इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं और दुकानों को बंद रखने का आदेश दिया गया है।

रेलवे पुलिस के जीआरपी के डीसीपी मनोज पाटिल ने बताया कि स्थिति अब सामान्य है। उन्होंने कहा, स्थिति अब सामान्य है। रेलवे की आवाजाही भी सामान्य है। कोई धारा नहीं लगाई गई है। अफवाह न फैले, इसके लिए कुछ दिनों तक इंटरनेट सेवाएं बंद रहेंगी। मंगलवार को बदलापुर रेलवे स्टेशन पर प्रदर्शनकारियों द्वारा रेलवे ट्रैक जाम करने के बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया। प्रदर्शनकारियों द्वारा ट्रैक जाम करने के कारण 12 मेल एक्सप्रेस ट्रेनों का मार्ग बदला गया और 30 लोकल ट्रेनों को आंशिक रूप से रद्द किया गया। हालांकि, पुलिस द्वारा प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के बाद देर रात 10 घंटे तक रेल सेवा बाधित रहने के बाद फिर से शुरू हो गई। मीडिया से बात करते हुए सरकारी रेलवे पुलिस आयुक्त रवींद्र शिसवे ने कहा, ट्रैक को साफ कर दिया गया है और परिचालन शुरू करने के लिए रिपोर्ट रेलवे परिचालन को भेजी जाएगी।

महाराष्ट्र के बदलापुर में एक स्कूल में चौथी कक्षा की दो लड़कियों के साथ कथित यौन उत्पीडऩ के मामले ने लोगों में आक्रोश पैदा कर दिया है। 17 अगस्त को पुलिस ने लड़कियों के साथ दुर्व्यवहार करने के आरोप में एक अटेंडेंट को गिरफ्तार किया। इससे पहले मंगलवार को पुलिस ने गुस्साए लोगों पर आंसू गैस के गोले भी छोड़े, जिन्होंने स्कूल पर पथराव शुरू कर दिया, जहां यह अपराध हुआ था।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को राज्य के बदलापुर जिले के एक स्कूल में दो नाबालिगों के साथ कथित यौन उत्पीडऩ की निंदा की और कहा कि मामले की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। फडणवीस ने ठाणे पुलिस आयुक्त को बदलापुर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक, सहायक उपनिरीक्षक और हेड कांस्टेबल को तुरंत निलंबित करने का भी आदेश दिया। आरोप है कि इन्होंने बदलापुर की घटना के शुरुआती चरण में कार्रवाई में देरी की।

आप सांसद संजय सिंह की मुश्किलें बढ़ीं, 23 साल पुराने मामले में कोर्ट ने दिया गिरफ्तारी का आदेश

सुलतानपुर । आरएनएस

उत्तर प्रदेश में सुलतानपुर जिले की एक अदालत ने 23 वर्ष पूर्व एक मामले में आम आदमी पार्टी (आप) सांसद संजय सिंह और समाजवादी पार्टी (सपा) प्रवक्ता अनूप संडा को गिरफ्तार कर अदालत में पेश करने का आदेश दिया है। इस मामले में जमानतीय वारंट को कोर्ट ने जारी रखा है। 28 अगस्त को कोर्ट अब मामले की सुनवाई करेगा।

न्यायिक विभाग के सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि करीब 23 वर्ष पूर्व 19 जून 2001 को बिजली-पानी समेत अन्य समस्याओं के विरोध में इन नेताओं ने सडक़ पर जाम लगाकर धरना प्रदर्शन किया था, जिस पर कोतवाली नगर में तैनात उपनिरीक्षक अशोक सिंह ने मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने आप सांसद संजय सिंह, पूर्व विधायक अनूप संडा, पूर्व सभासद कमल श्रीवास्तव, वर्तमान नामित सभासद विजय, पूर्व प्रवक्ता कांग्रेस संतोष कुमार, पूर्व नगर अध्यक्ष भाजपा सुभाष चौधरी व प्रेम प्रकाश के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई थी। इस दौरान विचारण प्रेम प्रकाश की मौत हो चुकी है। तत्कालीन विशेष मजिस्ट्रेट एमपी-एमएलए योगेश यादव की कोर्ट ने छह आरोपियों को बीते जनवरी 2023 में भादवि की धारा-143 व 341 में दोषी ठहराते हुए तीन-तीन माह के कारावास व 1500-1500 अर्थदण्ड की सजा सुनाया था।

सभी ने सजा के खिलाफ अपील की, स्पेशल एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट जज एकता वर्मा की अदालत से सभी दोषियों की अपील छह अगस्त को खारिज हो गई। सम्बंधित कोर्ट में बीते 9 अगस्त को सभी को समर्पण था, फिलहाल अभी तक किसी ने भी सरेंडर नहीं किया।

पहली बार अंतरिक्ष में टुकड़ों में जाएगा चंद्रयान-4; पांच साल में 70 सैटेलाइट लॉन्च करने की तैयारी

नई दिल्ली । आरएनएस

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रमुख डॉ. एस सोमनाथ ने कहा कि चंद्रयान-4 और 5 की डिजाइन तैयार है। हमें अब सरकार की तरफ से मंजूरी मिलने का इंतजार है। उन्होंने यह भी कहा कि अगले पांच साल में 70 सैटेलाइट लॉन्च करने की योजना है।

चंद्रयान-4 मिशन चंद्रमा की सतह से पत्थर और मिट्टी का सैंपल लेकर आएगा। उसकी चंद्रमा की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग होगी। मिशन में स्पेस डॉकिंग होगा। इसका मतलब है कि चंद्रयान-4 को टुकड़ों में अंतरिम में भेजा जाएगा। इसके बाद उसे अंतरिक्ष में जोड़ा जाएगा। ऐसा पहली बार होने जा रहा है। डॉ. सोमनाथ ने इंडियन स्पेस एसोसिएशन के ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन के एक क्रार्यक्रम से अलग मीडिया से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि चंद्रयान-3 के बाद हमारे पास चंद्रमा को लेकर कई मिशन है। इससे पहले इसरो अधिकारियों ने कहा था कि चंद्रयान-4 साल 2028 में लॉन्च किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि इसरो पांच साल में जो 70 सैटेलाइट छोड़ेगा उसमें निचली कक्षा में स्थापित होने वाले सैटेलाइट भी होंगे। इससे विभिन्न मंत्रालयों और सरकारी विभागों की जरूरतें पूरी होंगी। उन्होंने यह भी कहा कि चार सैटेलाइट रीजनल नेविगेशन सिस्टम के होंगे।

एसएसएलवी में दस से ज्यादा कंपनियों ने दिखाई रुचि

इसरो के प्रमुख डॉ. एस सोमनाथ ने कहा कि 10 से अधिक कंपनियों और कंसोर्टिया ने लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान (एसएसएलवी) के निर्माण में रुचि दिखाई है, जिनमें से कुछ को प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए संभावित बोलीदाताओं के रूप में चुना गया है। इसरो प्रमुख ने कहा कि चयनित उद्योग भागीदार पहले दो साल की अवधि में इसरो की सहायता से दो एसएसएलवी विकसित करेगा और फिर छोटे उपग्रहों को पृथ्वी की निचली कक्षाओं में स्थापित करने के लिए रॉकेट बनाने का काम करेगा।

एआईसीटीई और भारतीय अंतरिक्ष संघ की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम के मौके पर उन्होंने संवाददाताओं से कहा, 100 से अधिक समूह/संघ आगे आए थे और एसएसएलवी के लिए प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण में रुचि दिखाई थी। इसरो के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने 16 अगस्त को लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान (एसएसएलवी) के प्रक्षेपण के बाद घोषणा की कि प्रक्षेपण यान बनाने का काम पूरा हो गया है और इसरो बड़े पैमाने पर रॉकेट बनाने के लिए उद्योग को हस्तांतरित करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि इससे उद्योगों को छोटे रॉकेट बनाने में अपनी क्षमता व योग्यता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

अंतरिक्ष कार्यक्रम में निवेश से लाखों रोजगार का हुआ सृजन

डॉ. स्वामीनाथ ने कहा, अंतरिक्ष कार्यक्रम में निवेश से प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से लाखों रोजगार का सृजन हुआ। हमने अब तक अंतरिक्ष कार्यक्रमों में जो भी निवेश किए हैं, उसका समाज को काफी लाभ हुआ है। कई बार लोगों को यह अहसास नहीं होता है कि इस कार्यक्रम का क्या प्रभाव होगा? हर अंतरिक्ष कार्यक्रम के कई तरह से लोगों के जीवन और समाज पर प्रभाव पड़ता है। इसका अर्थव्यवस्था, रोजगार, कृषि, सुरक्षा, सामाजिक प्रभाव, प्राकृतिक संसाधन में सुधार, डिजिटल कनेक्टिवटी, प्रशासनिक समेत कई क्षेत्रों में सुधार होते हैं। उन्होंने कहा, निवेश का समाज पर पडऩे वाले प्रभाव को समझने और मापने के लिए हमने हाल ही में कुछ विशेषज्ञों के साथ मिलकर अध्ययन शुरू किया।